I Lecture Series No:- 44

(online class) Date - 4/2/2022, Day, Time - 10:to 10:50 A.M

Topic,

(I) Vaisesika.

Dr. Surita Kumari
Depart. of Philosophy,
B.A Part-I
Paper-(S.)
A.N.D. College Shahpur Patory
Samastipur

Ans. → सामान्य वह पदार्थ है जिसके कारण एक ही प्रकार के विभिन्न व्यक्तियों को एक जाति के अन्दर रखा जाता है। उदाहरणस्वरूप राम, श्याम, मोहन इत्यादि भिन्नता होने के बावजूद उन सबों को मनुष्य कहा जाता है ठीक यही बात गाय, घोड़े इत्यादि

जातिवाचक शब्द, इस लागू होती है।

संसार की समस्त गायों को गाय के वर्ग में रखा जाता है। हमारे सामने यह प्रश्न उठने वाला है कि कौन-सी वस्तु है जिसके आधार पर संसार के

P.T.O.

(2)

विभिन्न वस्तुओं को एक नाम से पुकारा जाता है। उसी सत्ता को सामान्य (Universality) कहा जाता है। व्यक्ति-विशेष जन्म लेते हैं और मरते हैं, किन्तु सामान्य नित्य है। (eternal) सामान्य द्रव्यों, गुणों एवं कर्मों में विद्यमान रहता है।

भारतीय विचारधारा में सामान्य के सम्बन्ध में ठीक तीन प्रकार के मत पाये जाते हैं।

(1) नामवाद (Nominalism) :- इस मत के अनुसार व्यक्ति से स्वतंत्र सामान्य की सत्ता नहीं है। एक प्रकार का नामकरण है। व्यवहारिक जीवन में सुविधा एवं सहुलियत के अनुसार अनेक etc.

END.